ज्ञान जागरूकता संगठन

प्रगति प्रतिवेदन

(ANNUAL REPORT)

वर्ष: 2024–25



पंजीकृत कार्यालय

लोधू थोक, अतर्रा (बांदा)
मो0: 9452510195, 8707060872
E-Mail: abhiyanbanda@yahoo.com
abhiyanbanda10@rediffmail.com
Website :http://abhiyanbanda.in/

क्षेत्रीय कार्यालय

- बेड़ी पुलिया, कर्वी (चित्रकूट)
- कर्मयोग विद्यापीठ, उदयपुर (बदौसा), बांदा
- ग्राम/पो0–चौसड़, बिसण्डा (बांदा)

निदेशक की कलम से .....



जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक स्तर पर व्यापक रूप से बहुत सी समस्याएं उत्पन्न हो रही है. मौसम चक्र में धीमा एवं अनिश्चित बदलाव आ रहा है, जो तापमान वृद्धि, वर्षा पद्धति में बदलाव एवं वर्षा के दिनों की संख्या में कमी के साथ ही शुष्क दिनों की निरंतरता के रूप में सामने आ रहा है. यह बदलाव जल संकट को बढ़ाते हैं, जनधन की हानि को बढ़ावा देते हैं और विकास के प्रयासों तथा उनमें लगने वाले संसाधनों पर गंभीर एवं नकारात्मक प्रभाव डालते हैं. यह जलवायु परिवर्तन जनित नाजुक्ताएं एवं प्रभाव बहुधा स्थानीय होते हैं और इनसे निपटने हेतु स्थानीय प्रशासन सामाजिक संगठनों एवं सामुदायिक सहभागिता के साथ स्थानीय स्तर पर कार्य किए जाने की आवश्यकता होती है. उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड के 7 और मध्य प्रदेश के 6 जिलों में विस्तारित बुंदेलखंड क्षेत्र पठारी और पहाड़ी कृषि जलवायुविक क्षेत्र में आता है. उबड़ खाबड़ जमीनों खराब मृदा गुणवत्ता, न्यूनतम जल धारण क्षमता एवं भूगर्भ जल संकट जैसी परिस्थितियों के कारण यह भारत के सबसे ज्यादा प्रभावित परिस्थितिकीय तंत्र वाले क्षेत्रों में से एक है.

यहां की आजीविका का प्राथमिक स्रोत कृषि और पशुपालन है तथा 80% से अधिक लघु सीमांत एवं महिला किसानों की निर्भरता इन गतिविधियों पर है कृषि क्षेत्र में अप्रत्याशित वर्षा एवं तापमान में बढ़ोत्तरी से फसल चक्र बाधित हो रहा है. उपज में कमी आ रही है एवं मृदा गुणवत्ता का ह्रास हो रहा है विशेषकर फसल विकास के प्रमुख चरणों के दौरान तापमान वृद्धि से गेहूं धान और दल्हन जैसी प्रमुख फसले प्रवाहित हो रही हैं. जल संकट और भूगर्भ जल का अधिक दोहन, मिट्टी को खारा बना रहा है जबकि गर्म स्थितियां के कारण कीटों एवं बीमारियों का आगमन बढ़ रहा है इसी प्रकार जल के क्षेत्र में भी अनियमित और चरम वर्षा पद्धतियों से प्रभावित हो रहा है. जिससे भूजल पुनर्भरण कम हो रहा है तथा नदियों एवं तालाबों मे पानी उपलब्धता कम हो रही है साथ ही मृदा स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है. सतही जल स्रोत कम होने से भूजल पर अत्यधिक निर्भरता बढ़ रही है.अधिक वशपिकरण,कमजोर वर्षा व जल स्रोतों में मिट्टी का जमाव होने के कारण जल निकायों का क्षेत्रफल कम होता जा रहा है इसके अतिरिक्त एकाएक अधिक बारिश हो जाने से बाढ़ आ जा रही है जिससे फसले व बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो रहे हैं और मिट्टी की ऊपरी परत का क्षरण हो रहा है.

संस्था अभियान द्वारा जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में कृषि, किसानी और पानी के मुद्दे पर जन जागरूकता,जैविक कृषि,व जल संरक्षण के मुद्दों पर समुदाय को सक्रिय और प्रेरित करने का कार्य कर रही है. हमारा मानना है कि जल जंगल जमीन और जानवर" ही हमारे जीवन के मुख्य आधार हैं हम सबसे प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आवश्यक सहयोग की अपेक्षा करते हैं.

संस्था अभियान अतर्रा की हार्दिक शुभकामनाओ के साथ!

धन्यवाद !

अशोक कुमार
निदेशक
अभियान,अतर्रा

संस्थागत परिचय :

1.	संस्था का नाम	:	अभियान, अतर्रा (बांदा)
2.	पता	:	लोधू थोक, (डाकघर के सामने) , अतर्रा जिला– बांदा (उ0प्र0), पिन– 210201
3.	संचार सम्पर्क	:	**मो0:** 9452510195, 8707060872 **ई–मेल :**abhiyanbanda10@rediffmail.com abhiyanbanda@yahoo.com **वेबसाइट :**www.abhiyanbanda.in
4.	मुख्य कार्यकारी	:	अशोक कुमार, निदेशक
5.	स्थापना वर्ष	:	अगस्त 1985
6.	संगठन का स्वरूप	:	अलाभकारी स्वैच्छिक संगठन
7.	वैधानिक स्थिति **(Legal Status)**	: : : :	**सोसाइटी पंजीयन संख्या**–1186/86–87 (02.04.1986 को पंजीकृत) Jhansi (Renewal 13.08.2021) FCRA No.136280008 (18.06.1986)(Renewal 23.03.2022) 12A : 12A/749/AA(IT Act के अन्तर्गत पंजीकृत) 80G : AABTA1075CF 20225 PAN : AA BTA 1075C TAN : KNPA02754D CSR-1 : CSR00024522 DARPAN ID : UP/2017/0166625
8.	कार्यक्षेत्र	:	उ0प्र0 के बुन्देलखण्ड क्षेत्र के बांदा एवं चित्रकूट जनपद
9.	लक्ष्य	:	जन सहभागिता के माध्यम से प्रकृति का संरक्षण संम्वर्धन करते हुए निर्धन एवं पिछड़े लोगों का आर्थिक व सामाजिक विकास करना
10.	उद्देश्य	:	• आर्थिक समानता, सामाजिक न्याय तथा लोकमत पर आधारित ग्रमीण विकास करना। • स्वास्थ्य सेवा, परिवार नियोजन एवं शिशु कल्याण के प्रति लोगों में सही समझ को विकसित करना तथा पारम्परिक चिकित्सा पद्धति को पुनर्जीवित करना। • गरीब वर्ग के बालक/बालिकाओं एवं महिलाओं/पुरूषों में औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा के प्रति रूचि पैदा करना एवं शिक्षा के प्रचार–प्रसार में सहयोग करना। • ग्रामीण युवक/युवतियों को सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक पहलुओं की सही जानकारी देना तथा उत्पन्न समस्याओं के समाधान हेतु सहभागी प्रशिक्षणें का आयोजन करके उनके अन्दर ज्ञान, जागरूकता व निपुणता की क्षमता उत्पन्न करना, साथ ही शासकीय सुविधाओं, नियमों व कानूनों से हितग्राहियों व जनमानस को बताना। • जनसहभागिता के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि विकास एवं स्थायी आजीविका से जुड़े कार्यक्रमों को संचालित करने का प्रयास करना। • महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु विकास प्रक्रिया में उनकी भागीदारी के अवसरों को बढ़ाना तथा पंचायतों को सशक्त बनाने का प्रयास करना। • सरकारी व गैर सरकारी सेवाओं व सुविधाओं से समुदाय को लाभान्वित कराने में सहयोग करना तथा परम्परागत तकनीकी पद्धतियों से पुर्नजीवित करना।
11.	लक्षित समूह	:	गरीब, पिछड़े व उपेक्षित समुदाय के महिला, किशोरी, बच्चे, युवा, किसान।
12.	प्रमुख कार्य के मुद्दे	:	• महिला एवं बाल विकास • आजीविका • प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन • जल एवं स्वच्छता • पंचायतीराज • एडवोकेशी/नेटवर्किंग
13.	संस्थागत संसाधन	:	• भूमि/निजी भवन • दुपहिया वाहन • कम्प्यूटर/लैपटॉप• कैमरा/जी0पी0एस0 • फर्नीचर/अलमारी • साइकिल • इनवर्टर/बैटरी

परियोजना व गतिविधियां:(वर्ष 2024–25)

क0	परियोजना का नाम	कियान्वयन क्षेत्र	लक्षित समूह	गतिविधियां	आर्थिक सहयोग
1.	**बुन्देलखण्ड वाटर विजन 2047 अभियान**	बांदा चित्रकूट जनपद के 30 गांव	किसान, महिला, किशोरी, स्कूल बच्चे।	●जल कोष यात्रा ● विश्व जल दिवस, ● किसानों के संगठन/गोष्ठी ● वाटर रिसोर्स सेन्टर ● प्राकृतिक कृषि उत्पादन केन्द्र ● जल सम्मान समारोह सरोवर ही हमारी धरोहर ● पुराने कार्यों का फालोअप।	**समुदाय संस्थागत सहयोग स्वैच्छिक संगठन**
2.	**राष्ट्रीय कार्यक्रम**	बांदा जनपद	किसान, महिला, किशोरी, स्कूल बच्चे।	● स्वतन्त्रता दिवस ● गणतन्त्र दिवस ● बाल विवाह मुक्त भारत	**समुदाय संस्थागत सहयोग स्वैच्छिक संगठन**
3.	**एडवोकेशी/नेटवर्किंग**	बुन्देलखण्ड (बांदा व चित्रकूट जनपद)	स्वैच्छिक संगठन, वॉश फोरम, प्रशासन, पंचायत, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र	● बैठकें ● गोष्ठी ● जल संरक्षण प्लानिंग ● जीपीडीपी	**समुदाय संस्थागत सहयोग स्वैच्छिक संगठन**

1–बुन्देलखण्ड वॉटर विजन 2047 अभियान

जल कोष यात्रा–

पूरी दुनिया में आज जल का संकट बढ़ता चला जा रहा है पानी को बचाने के लिए जरूरी है, कि हर व्यक्ति अपने स्तर से पानी के लिए सक्रिय हो, इसके लिए सरकार द्वारा लोगों को जागरूक व सक्रिय करने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों को कर रही है. इसी सन्दर्भ में बुंदेलखंड के झांसी ललितपुर हमीरपुर बांदा महोबा व चित्रकूट जनपद में जल कोष यात्रा का आयोजन पद्मश्री से सम्मानित श्री उमाशंकर पांडे जी के नेतृत्व में किया गया. इस यात्रा में अभियान संस्था को भी सहभागिता करने का अवसर मिला जिसका विवरण निम्नवत है.

क्रसं0	दिनांक	जनपद	स्थान	गतिविधियां
1	10.08.2024	बांदा	ग्राम बेंदा तिन्दवारी बांदा	सभा, तालाब पूजन
2	14.08.2024	हमीरपुर	ब्लाक सभागार सुमेरपुर	रैली सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम
3	21.08.2024	झांसी	ब्लाक सभागार बबीना झांसी	रैली सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम
4	22.08.2024	झांसी	ब्लाक सभागार मऊरानीपुर झांसी	रैली सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम
5	23.08.2024	ललितपुर	ब्लाक सभागार ताल बेहट ललितपुर	रैली सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम
6	07.09.2024	चित्रकूट	ग्राम डोड़ामाफी मानिकपुर चित्रकूट	गोष्ठी व कूआं पूजन
7	08.09.2024	चित्रकूट	ग्राम छिउलहा, मऊ चित्रकूट	गोष्ठी व तालाब का विजिट
8	09.09.2024	चित्रकूट	रतननाथ इण्टर कालेज रसिन, कर्वी	गोष्ठी, पुरुस्कार वितरण व समापन

विश्व जल दिवस–

विश्व जल दिवस के अवसर पर दिनांक 22 मार्च 2025 को जूनियर हाई स्कूल,ग्राम- तुर्रा (बांदा) में **"पानी की पाठशाला"** कार्यक्रम आयोजित किया गया. छात्र-छात्राओं के साथ गोष्ठी,भाषण व पर्यावरण समूह गठन का कार्य किया गया. स्कूली बच्चों को चार्ट पोस्टर्स व पंपलेट के माध्यम से जल के संरक्षण व संवर्धन पर जागरूक किया गया कार्यक्रम में 120 छात्र-छात्राओं व 8 अध्यापकों द्वारा सहभागिता की गई.इस कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रकृति सेवा समिति,तुर्रा (बदौसा) बांदा के श्री संतोष गौतम निर्देशक का पूर्ण सहयोग रहा.

किसानों के साथ बैठकें एवं गोष्ठी–

क्रसं0	दिनांक	स्थान	गतिविधियां	प्रतिभागी
1	26.05.2024	अभियान, अतर्रा (बांदा)	कार्यकर्ताओं के साथ प्लांटेशन कार्य पर चर्चा	10 प्रतिभागी
2	24.07.2024	ग्राम सिरसौना बांदा	किसानों के साथ प्राकृतिक खेती व एफपीओ से जुड़ाव हेतु बैठक	20 प्रतिभागी
3	22.08.2024	कमयोग विद्यापीठ, ग्राम उदयपुर भुसासी	किसानों के साथ जैविक खेती व देशी बीज उत्पादन पर गोष्ठी	21 प्रतिभागी
2	26.01.2025	कमयोग विद्यापीठ, ग्राम उदयपुर भुसासी	किसानों के साथ सामुदायिक प्राकृतिक खेती व एफपीओ पर गोष्ठी	19 प्रतिभागी

प्राकृतिक सामुदायिक कृषि कार्यक्रम (वॉटर रिसोर्स सेंटर)–

किसानों का प्राकृतिक कृषि से जुड़ाव बढ़ाने के उद्देश्य से बांदा जनपद के ग्राम उदयपुर में संस्था द्वारा अपनी भूमि व भवन पर यह केंद्र स्थापित किया जा रहा है. इस रिसोर्स सेंटर में वर्षा जल संरक्षण, मोटे अनाज के बीज उत्पादन, साग

भाजी उत्पादन,बागवानी, देसी खाद व कीटनाशक दवा का निर्माण आदि का काम प्रारंभ किया गया है. इसके साथ-साथ केंद्र में आवास, भोजनालय,प्रशिक्षण हाल की भी व्यवस्था की गई है.इस केंद्र के चारों ओर किसानों की कृषि भूमि है, जिस पर प्राकृतिक सामुदायिक कृषि को बढ़ाने हेतु सर्वे का काम किया गया है,तथा सिचाई व सुरछाकी एक परियोजना भी बनाई गई है. इस प्रकार से इस पैच में 33 किसानों की 30 एकड़ भूमि लाभान्वित हो सकेगी!

जल सम्मान समारोह–

दिनांक 19 मार्च 2025 को उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह एवं श्री रामकेश निषाद राज्य जल शक्ति मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ओरन (बांदा) में आयोजित "सरोवर ही धरोहर है" कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था "अभियान"को स्मृति चिन्ह,सर्टिफिकेट व शाल देकर सम्मानित किया गया.

पुराने कार्यों का फॉलोअप–

संस्था अभियान द्वारा विगत वर्षों में किए गए कार्यों का भी अवलोकन पद्मश्री से सम्मानित श्री उमाशंकर पांडे द्वारा ग्राम उदयपुर मे किये गए कार्यों का अवलोकन किया गया. इसके साथ-साथ संस्था द्वारा ग्राम गर्गपुर v भूसासी के गांव में शौचालय पेयजल व स्कूल वास की स्थितियों को भी देखा गया.

2–राष्ट्रीय कार्यक्रम–

स्वतंत्रता दिवस–

दिनांक 15 अगस्त 2024 को कर्म योग विद्यापीठ उदयपुर में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें 65 लोगों ने भागीदारी की. इसके साथ-साथ एक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया

गणतंत्र दिवस–

26 जनवरी 2025 को कर्म योग विद्यापीठ उदयपुर में गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया जिसमें किसानों व स्कूली बच्चों सहित 70 लोगों ने भागीदारी की.

बाल विवाह मुक्त भारत–

इस कार्यक्रम का आयोजन 27 नवंबर 2024 को ग्रामीण परंपरा विकास संस्थान,शिवरामपुर के सहयोग से भोलानाथ सीताराम इंटर कॉलेज, गर्गपुर में मनाया गया जिसमें ढाई सौ से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने भागीदारी की तथा बाल विवाह के प्रति सभी को जागरूक किया गया

3– एडवोकेशी / नेटवर्किंग

संस्था अभियान, जिला वाश फोरम चित्रकूट, आरoआरo एo नेटवर्क, उपवन, व बुंदेलखंड डेवलपमेंट कंसोर्टियम से जुड़ी है. इसके अलावा संस्था द्वारा लोगों को जोड़ने संस्था संगठनों में सहयोग करना प्रशासन के साथ जुड़ाव बनाकर विभिन्न प्रकार के मुद्दों पर काम करती है.

संस्था द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रमों में भी भागीदारी की गई है.

क्र.सं.	दिनांक	स्थान	विषय	आयोजक
1	09.07.2024	होटल स्वर्णिमा, सीतापुर	ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति पर प्रशिक्षण	वाटरएड, लखनऊ
2	16.08.2024	होटल स्वर्णिमा, सीतापुर	स्वयं सेवकों का प्रशिक्षण	वाटरएड, लखनऊ
3	25.08.2024	तुलसी होटल, झांसी	बीटीसी की प्लानिंग बैठक	बीटीसी, झांसी
4	25.10.2024	ब्लाक सभागार, कर्वी	जल चौपाल	वाटरएड, लखनऊ
5	17.02.2025	जैविक ग्राम, अतर्रा	जैविक खेती पर बैठक	जैविक ग्राम, अतर्रा
6	06.03.2025	सीडीओ ऑफिस बांदा	जल संरक्षण की कार्ययोजना निर्माण पर बैठक	भूगर्भ जल विभाग, बांदा

वित्तीय सहयोग :

संस्था द्वारा वर्ष 2024–25 में समुदाय के सहयोग व व्यक्तिगत सहयोग से कार्यक्रमों को सम्पादित किया गया।

ऑडिटर : **ओसवाल एण्ड कं0**
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट
ललितपुर, (उ0प्र0)[1]

नेटवर्किंग :

- उ0प्र0 वॉलण्टरी एक्शन नेटवर्क (UPVAN), लखनऊ
- जिला वॉश फोरम, चित्रकूट
- नेशनल क्वाल्यूशन फॉर नेचुरल फार्मिंग (NCNF)
- उ0प्र0 वॉलण्टरी हेल्थ एसोसियेशन (UPVHA), लखनऊ
- बुन्देलखण्ड डेवलपमेन्ट कन्सोटियम(BDC)
- बुन्देलखण्ड वॉश फोरम, बांदा
- मीडिया ग्रुप(प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, सोशल मीडिया)

सहयोगी संस्थान :

- जैविक ग्राम ट्रस्ट अतर्रा
- ग्राम उन्मेष संस्थान, बांदा
- समर्पण जन कल्याण समिति, कोंच
- बुन्देलखण्ड विकास समिति, चौसड(बांदा)
- ग्रामीण परम्परा विकास संस्थान, शिवरामपुर
- कालींजर शोध संस्थान, कालींजर
- दीनदयाल शोध संस्थान,चित्रकूट
- सामाजिक विकास संस्थान, चित्रकूट
- जे0आर0 विकलांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट
- प्रभात समिति, बदौसा (बांदा)
- जिला वॉश फोरम, चित्रकूट
- जन शिक्षण एवं प्रशिक्षण समिति, अतर्रा (बांदा)
- लैना बाबा इण्टर कालेज, शिवरामपुर (चित्रकूट)
- एफ्को ग्वालियर/नई दिल्ली पीएसआई देहरादून

प्रबन्ध समिति की सूची :(31.03.2025 को)

क्र. सं.	नाम	पद	नियुक्ति का दिनांक	व्यवसाय	पता
1.	श्री हरीमोहन राय पुत्र श्री संपतराय	अध्यक्ष	09.09.2007	नौकरी / समाजसेवा	गॉधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना(म0प्र0)
2.	श्री अशोक कुमार पुत्र श्री रामस्वरूप	निदेशक	02.04.2011	समाजकार्य	लोधू थोक, अतर्रा(बाँदा) उ0प्र0
3.	श्रीमती ममता वर्मा पत्नी श्री राजकिशोर वर्मा	संयोजक	02.04.2011	समाजकार्य	ग्राम / पोस्ट– रसिन, चित्रकूट
4.	श्री रामकिशोर पुत्र श्री नौमतलाल	कोषाध्यक्ष	21.11.2012	व्यवसाय	ग्राम–टिटिहरा, पोस्ट–भरतकूप (चित्रकूट)
5.	श्री पियूषदास पुत्र श्री संतोष कुमार दास	परामर्शदाता	09.09.2007	एनजीओ जॉबवर्क	ग्रा0 / पो0–ओरंगी, जिला–बालासोर (उडीसा)
6.	श्रीमती वन्दना सिंह	सदस्य	03.07.2022	गृहकार्य	ग्रा0 पिपरहरी, पोस्ट–पचोखर, तहसील–नरैनी जनपद–बांदा, उ0प्र0 210129
7.	श्रीमती सन्तोषी सैनी पत्नी श्री सन्तोष कुमार	सदस्य	29.04.2021	नौकरी	वार्ड नं0 17 बजरंग नगर, अतर्रा (बाँदा) उ0प्र0 210201
8.	श्रीमती नीलम पत्नी श्री प्रभात कुमार	सदस्य	02.04.2007	समाजसेवा	ग्रा0 / पो0–सातोसिकरी, रामोपट्टी जिला– बक्सर (बिहार)
9.	श्री अरविन्द छिरौलिया पुत्र श्री श्यामलाल	सदस्य	02.04.2007	समाजसेवा	ग्राम–कालींजर, पोस्ट– कालींजर जिला–बॉदा (उ0प्र0)
10.	श्री श्रवण कुमार पुत्र श्री काशी प्रसाद	सदस्य	02.04.2011	समाजसेवा	ग्राम– मछरिहा, पोस्ट– शिवरामपुर(चित्रकूट)
11.	श्री अम्बरीष कुमार पुत्र श्री अखिलबिहारी	सदस्य	25.11.2012	समाजकार्य	ए–267, आवास विकास कालोनी, (बाँदा) उ0प्र0

फोटोग्राफ :

1. बुन्देलखण्ड वॉटर विजन–2047

पानी की पाठशाला (विश्व जल दिवस)





जल सम्मान समारोह









किसान गोष्ठी









राष्ट्रीय कार्यक्रम

जल स्त्रोत (बागै नदी का विजिट)





एडवोकेशी / नेटवर्किंग

(सीडीओ के साथ बैठक)





पूर्व में किये गये कार्यों का फालोअप विजिट





















समाचार पत्रों में.....

बुचवा कुआं की एक हिस्से का पाटन टूटा, बढ़ा खतरा

संवाद सूत्र, जागरण • बदौसा: नरैनी ब्लाक एवं बदौसा क्षेत्र के ग्राम पंचायत उदयपुर में 20 वर्ष पूर्व ऊपर से पाट कर दो हैंडपंप स्थापित किए गए प्राचीन बुचवा कुआं की एक हिस्से की पाटन टूट जाने से खतरा बढ़ा है। ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी नरैनी को पत्र देकर कुएं की तत्काल मरम्मत करा दुरुस्त कराने की गुहार लगाई है।



उदयपुर ग्राम पंचायत का क्षतिग्रस्त बुचवा कुआं • जागरण

उदयपुर गांव के जागदेव, महादेव समेत कुछ अन्य ग्रामीणों ने बीडीओ नरैनी को शिकायती पत्र देकर बताया कि लगभग एक सौ वर्ष पुराने बुचवा कुएं का उपयोग आस पास के 62 परिवार करते आ रहे हैं। वर्ष 2005-06 में लोगो की पेयजल समस्या को देखते हुए लगभग बीस हजार की लागत से जर्जर कुएं की सफाई, छपाई और लोहे के गटर के जरिए कुएं को ऊपर से पाट कर दो हैंड पंप स्थित कराया था। हैंडपंप के जरिए ही लोग कुएं के जल का प्रयोग करते आ रहे हैं। लोगों ने बताया कि कुएं की पाटन में लगी लोहे की गाटर गल जाने से कुएं की पाटन का एक हिस्सा धंस गया है।

जिससे लोगों के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत सचिव से कापी अरसे से क्षतिग्रस्त कुएं को मरम्मत कराकर दुरुस्त करने को कहा जा रहा है परंतु आजतक इस समस्या को नजरअंदाज किया गया है।

लोगों ने अवगत कराया कि लगभग चार सौ आबाद के लोग इसी कुएं का पानी पेयजल एवं दैनिक उपयोग में करते हैं। संस्था अभियान के संयोजक अशोक कुमार ने बताया कि हैंडपंप स्थापित करने का कार्य 16050 रुपये संस्था से तथा चार हजार रुपये ग्रामीणों से मिले सहयोग से किया गया था। बीडीओ ने समस्या निस्तारण का आश्वासन दिया है।

संदिग्ध दो मजदूरों की हालत बिगड़ी, एक की मौत

जागरण संवाददाता, बांदा : अतिक्रमण हटाने की मजदूरी करने शहर आए दो मजदूरों की अचानक हालत बिगड़ गई। पेट दर्द व पलटी की शिकायत होने पर मजदूरी करा रहे गृहस्वामी ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां एक की उपचार के दौरान मौत हो गई। जबकि दूसरे की हालत में सुधार है। उसने बताया कि कटहल की सब्जी व रोटी खाने के बाद हालत बिगड़ने से फूड प्वाइजनिंग होना लग रहा है। उधर दिवंगत हुए मजदूर के स्वजन जहरीला पदार्थ खिलाने की आशंका जता रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मंडी समिति के ग्राम पालमपुर निवासी मुन्ने खां का 23 वर्षीय पुत्र सोहराब खां के साथी 25 वर्षीय दीनक के साथ जैन दिवी से शहर के कचेहरा चौराहा पर अतिक्रमण हटाने की मजदूरी करने उनके बुलाने पर आ रहा था। दीनक दोपहर करीब डेढ़ बजे का भोजन के कुआं के समीप अचानक की बाहक लेकर पेट्रोल पंप की ओर दीनक के साथ गया था। वापस लौटने के बाद दोनों की हालत बिगड़ गई थी।

जलवायु परिवर्तन कार्ययोजना के तहत विकास भवन बाँदा में जिला-स्तरीय कार्यशाला संपन्न

अवधनामा संवाददाता



बाँदा। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा तैयार उत्तर प्रदेश जलवायु परिवर्तन कार्ययोजना (UPSAPCC) 2021-2030 के अंतर्गत विकास भवन, बाँदा में एक दिवसीय जिला-स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला गोरखपुर एनवायरनमेंटल एक्शन ग्रुप एवं अभियान संस्था, अतर्रा के सहयोग से आयोजित की गई। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिला-स्तर की योजनाओं में जलवायु जोखिमों के समावेशीकरण, जल मिशन तथा सतत कृषि से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श करना था। इस दौरान बुंदेलखंड क्षेत्र की संवेदनशील संस्थागत प्रणालियों तथा जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं मार्गदर्शक के रूप में पद्मश्री उमाशंकर पांडे ने जलवायु परिवर्तन से निपटने में समुदाय की सहभागिता, स्थानीय स्तर पर अनुकूलन उपायों और दीर्घकालिक रणनीतियों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। वहीं मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडे ने जिले में संचालित विकास कार्यों को जलवायु अनुकूल बनाने हेतु संभावित पहलों और रणनीतियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डीसी-एनआरएलएम भइयन लाल, परियोजना निदेशक राजेश मुख, उप कृषि निदेशक अभय कुमार यादव, मुख्य पशुपालन अधिकारी एस.के. बैंस, जिला कृषि अधिकारी संजय कुमार तथा बाँदा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक-प्राचार्य प्रो. डॉ. एन.के. बाजपेयी ने कृषि एवं जल मिशन से जुड़े जलवायु जोखिमों और क्षेत्र में किए जा रहे सुधारात्मक प्रयासों पर अपने विचार साझा किए। कार्यशाला में अभियान संस्था के निदेशक अशोक कुमार तथा गोरखपुर एनवायरनमेंटल एक्शन ग्रुप की मंजू एवं प्रीति ने जलवायु जोखिम प्रबंधन, सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय स्तर पर अनुकूलन पहलों पर सारगर्भित प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम के अंत में जानकारी दी गई कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ आगामी दिनों में जनपद के सभी आठों विकासखंडों में भी आयोजित की जाएंगी, जिससे जमीनी स्तर पर लोगों को जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक किया जा सके और स्थानीय समुदायों की भागीदारी को सशक्त बनाया जा सके। कार्यशाला में विभिन्न सरकारी विभागों, गैर-सरकारी संगठनों, समुदाय प्रतिनिधियों तथा किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) की सक्रिय सहभागिता रही।

निर्देशन

श्री अशोक कुमार
(निदेशक)

प्रतिवेदक सहयोगी

1. श्री रोहित श्रीवास्तव
2. श्री विनय कुमार मिश्र